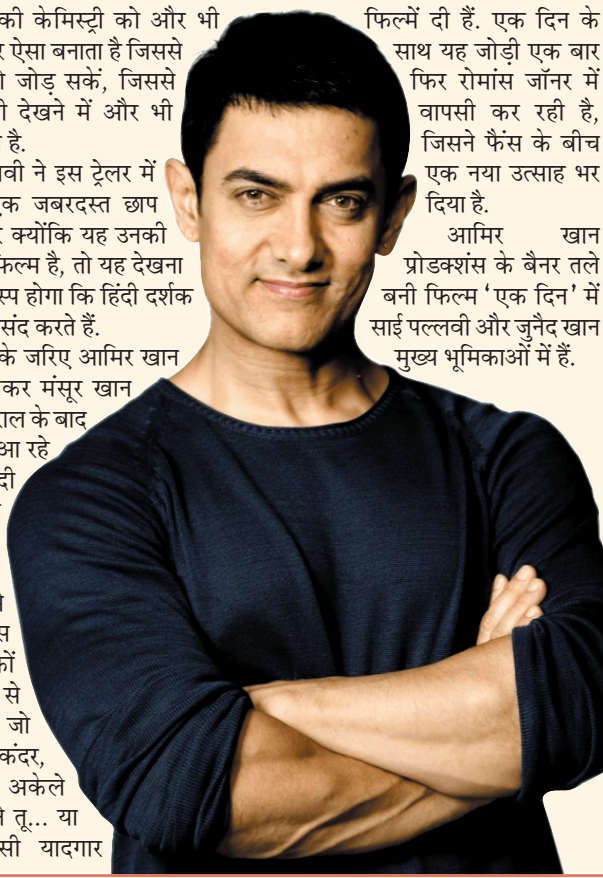


आमिर खान प्रोडक्शंस ने रिलीज किया 'एक दिन' का ट्रेलर

आमिर खान प्रोडक्शंस ने फिल्म 'एक दिन' का ट्रेलर रिलीज कर दिया है, जिसमें साईं पल्लवी और जुनैद खान लीड रोल में नजर आ रहे हैं। ट्रेलर को शुरुआत बहुत ही सुकून भरी और दिल को छू लेने वाली दुनिया से होती है, जो दर्शकों को एक जादुई और क्लासिक प्रेम कहानी की झलक देती है। ट्रेलर में जुनैद खान एक 'फॉर्च्यून बेल' (किस्मत की घंटी) के बारे में बताते दिख रहे हैं, जिसे बचाने पर सच्चे प्यार की मुद्रा पूरी होती है। जब वह यह बात कह रहे होते हैं, तब वह साईं पल्लवी के किरदार 'मीरा' की तरफ देखते हैं और मन ही मन दुआ करते हैं

कि काश वो उनकी हो जाए। वह कहते हैं कि वह चाहते हैं कि उनकी यह खाहिश पूरी हो, भले ही सिर्फ एक दिन के लिए। ट्रेलर में जुनैद और साईं पल्लवी के बीच की प्यारी केमिस्ट्री देखने को मिलती है, जो एक इमोशनल और दिल को छू लेने वाली लव स्टोरी का इशारा दे रही है। दोनों किरदारों के बीच का अंतर साफ नजर आता है। जुनैद एक प्यारे और थोड़े झिझकने वाले लड़के के रूप में दिख रहे हैं, जो अपने रोल में मासूमियत और सादगी लेकर आए हैं, वहीं साईं पल्लवी कॉन्फिडेंट और शांत नजर आ रही हैं। यह

कॉन्ट्रास्ट उनकी केमिस्ट्री को और भी दिलचस्प और ऐसा बनाता है जिससे लोग खुद को जोड़ सकें, जिससे उनकी कहानी देखने में और भी मजेदार लगती है। साईं पल्लवी ने इस ट्रेलर में भी अपनी एक जबरदस्त छाप छोड़ी है, और क्योंकि यह उनकी पहली हिंदी फिल्म है, तो यह देखना वाकई दिलचस्प होगा कि हिंदी दर्शक उन्हें कितना पसंद करते हैं। एक दिन के जरिए आमिर खान और फिल्ममेकर मंसूर खान एक लंबे अंतराल के बाद फिर से साथ आ रहे हैं, जो हिंदी सिनेमा की सबसे पसंदीदा जोड़ियों में से एक है। इस जोड़ी ने दर्शकों को कयामत से कयामत तक, जो जीता वही सिकंदर, अकेले हम अकेले तुम और जाने तू... या जाने ना जैसी यादगार



फिल्मों में दी हैं। एक दिन के साथ यह जोड़ी एक बार फिर रोमांस जॉनर में वापसी कर रही है, जिसने फैंस के बीच एक नया उत्साह भर दिया है। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी फिल्म 'एक दिन' में साईं पल्लवी और जुनैद खान मुख्य भूमिकाओं में हैं।

छावा की वीरता को मंच पर जिंदा कर गए विक्की कौशल

जी ने एक बार फिर भारतीय सिनेमा के जादू का जर्जन मनाया मारुति सुजुकी प्रस्तुत 24वें जी सिने अवॉर्ड्स 2026 के साथ, यादगार पलों के बीच विक्की कौशल की परफॉर्मंस सबसे खास रही। अपनी बहुमुखी प्रतिभा और रमदार स्क्रीन प्रेजेंस के लिए पहचाने जाने वाले इस एक्टर ने अपने चर्चित किरदार 'छावा' की वीरता और भयंता को मंच पर जिंदा कर दिया। अपने इसी किरदार को समर्पित ये खास ट्रिब्यूट रात के सबसे चर्चित पलों में शामिल हो गया। इस प्रस्तुति की शुरुआत भी बेहद भव्य अंदाज में हुई। विक्की कौशल एक विशाल हाथी के प्रॉप पर सवार होकर मंच पर पहुंचे। उनकी ये एंट्री देखते ही दर्शकों का ध्यान तुरंत मंच की ओर खिंच गया और पूरा एरिना एक बड़े सिनेमाई दृश्य जैसा नजर आने लगा। जैसे जैसे वो दर्शकों के करीब पहुंचे,

मिडिल ईस्ट संकट के बीच कुवैत से लौटीं उर्वशी रौतेला

इजराइल और ईरान के बीच लड़ाई के बाद मिडिल ईस्ट में टेंशन का माहौल बना हुआ है। इस बीच काम को वजह से कुवैत में फंसी बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला अब भारत लौट आई हैं। इंडिया वापस आने वाली अपनी फ्लाइट में चढ़ते समय उन्होंने इंस्टाग्राम पर स्टोरी पोस्ट कर अपनी स्थिति बताई और माना कि वह बहुत बेचैन और डरा हुआ महसूस कर रही हैं। उर्वशी ने कहा कि युद्ध की वजह से अचानक डर की लहर ने उन्हें घेर लिया, जिससे वह कमजोर और बेचैन महसूस करने लगीं।

उर्वशी एक वीडियो में इमोशनल दिखीं, जिसे उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर पोस्ट किया। वह इसमें आंसू पोंछती हुई दिखीं। उन्होंने अपने फैंस से कहा कि वे उन्हें अपनी दुआओं में रखें और घर वापस सुरक्षित

सफर के लिए प्रार्थना करें। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपनी फीलिंग्स बताते हुए एक नोट भी लिखा। उर्वशी ने माना कि प्लेन में चढ़ने तक वह ठीक थीं। उसके बाद उन्हें अचानक डर लगने लगा। उन्होंने लिखा, 'जब तक मैं प्लेन में बैठी, तब तक मैं बिल्कुल ठीक थीं... लेकिन जैसे ही मैं अंदर बैठी अचानक डर की यह लहर मुझ पर छा गई और मेरा दिल तेजी से धड़कने लगा। मुझे नहीं पता क्यों लेकिन मुझे अचानक बहुत डर लगने लगा।' उर्वशी रौतेला ईरान-इजराइल युद्ध के बीच कुवैत छोड़ भागीं, डर के मारे हुआ बुरा हाल, फ्लाइट में फूट-फूट कर रोईं।



दुनिया एक दिल' के साथ ताजगीभरा रंग



ऑनलाइन और ऑफलाइन दुनिया के बीच के फर्क को दिखाते हुए कलर्स लेकर आया है 'दो दुनिया एक दिल', एक दिलचस्प प्रेमकथा जिसमें वर्चुअल वैलिडेशन और असली जज्बात आमने-सामने

आते हैं। एसओएल प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित इस शो में विक्रम सिंह चौहान शिवाय के किरदार में, रावी शर्मा आध्या के रूप में और सुधांशु पांडे बलदेव सिंह के रूप में नजर आएंगे। इस ड्रामा के केंद्र में है शिवाय कर्नाज शहर का एक तेज-तर्रार, खुद से बना टेक उद्यमी, जिसने कभी विश्वास किया था कि इंटरनेट जिनदियाँ बदल सकता है। लेकिन एक धोखाधड़ी ने उसकी मेहनत की कमाई छीन ली और डिजिटल दुनिया पर उसका भरोसा तोड़ दिया। इसी हादसे ने उसे स्क्रीन से दूर कर दिया और उसने ठान लिया कि अब वह कुछ असली तलाश करेगा। इसके बिल्कुल उलट है आध्या एक करिश्माई सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, जिसकी जिंदगी रील्स, रीच और रिलवेंस पर टिकी है। उसके लिए दिखना ही ताकत है और ऑनलाइन दुनिया ही उसका घर। जब किस्मत दोनों को आमने-सामने लाती है, तो चिंगारियाँ उठती हैं और मोहब्बत परवान चढ़ती है।

सेट पर उल्टा लटकना बना प्रियंवदा कांत का 'न्यू नॉर्मल'



अभिनेत्री प्रियंवदा कांत, जो एण्डटीवी के सुपरनेचुरल हॉरर कॉमेडी शो 'घरवाली पेंडुवाली' में लतिका का किरदार निभा रही हैं, अपने समर्पण और बेखोफ अंदाज के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में आने वाले एक रोमांचक ट्रैक की शूटिंग के दौरान उन्होंने अपने अभिनय की सीमाओं को और आगे बढ़ाया। इस दौरान उन्होंने कई स्टंट खुद किए, जिनमें एक मुश्किल सीन ऐसा भी था जिसमें उन्हें लंबे समय

तक हार्नेस के सहारे उल्टा लटकना पड़ा। जो शुरुआत में थोड़ा डराना लग रहा था, वही अनुभव बाद में उनके लिए रोमांचक और आत्मविश्वास बढ़ाने वाला बन गया। अपने अनुभव को साझा करते हुए प्रियंवदा कांत ऊर्फ लतिका कहती हैं, 'हमारे शो में मैं कई स्टंट कर चुकी हूँ, लगभग हर हफ्ते कोई न कोई नया स्टंट करना होता है। कुछ तो इतने अनोखे और चुनौतीपूर्ण होते हैं कि उन्हें करना आसान नहीं होता। ऐसा ही एक स्टंट था, जिसमें मुझे चमगादड़ की तरह उल्टा लटकना था। यह बहुत मुश्किल था क्योंकि काफी देर तक उल्टा लटकने से सारा खून सिर की तरफ दौड़ जाता है और उसी दौरान आपको अपने डायलॉग भी बोलने होते हैं। जब पहली बार इस सीन के बारे में सुना, तो मैं उत्साहित भी थी और थोड़ी घबराई हुई भी, क्योंकि यह ऐसा अनुभव नहीं है जिसकी आदत तुरंत पड़ जाए।

बॉलीवुड सुपरस्टार गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा के बीच चल रहे तनाव पर उनकी बेटी टीना आहूजा ने पहली बार अपनी प्रतिक्रिया दी है। विमेंस डे के मौके पर अपनी मां के यूट्यूब



व्लॉग में शामिल हुई टीना ने स्वीकार किया कि पिछला कुछ समय उनके परिवार के लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहा है। टीना ने कहा कि पिछले दो सालों में उन्होंने और उनके परिवार ने कई

उन्होंने दावा किया था कि गोविंदा का एक कम उम्र की अभिनेत्री के साथ रिश्ता रहा है। इसी व्लॉग में सुनीता ने अपने मन की बात साझा करते हुए कहा कि अब तक उन्होंने परिवार की सारी

दूसरी ओर, गोविंदा ने पत्नी द्वारा लगाए गए इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। अभिनेता का कहना है कि उनके करियर के दौरान उन पर कई बार कीचड़ उछाला गया है, लेकिन उन्होंने

पिछले दो साल परिवार के लिए रहे मुश्किल और उतार-चढ़ाव भरे: टीना

जिम्मेदारियाँ निभाई हैं, लेकिन अब वह केवल अपने लिए जीना चाहती हैं। उनके इस बयान ने फैंस के बीच उनके और गोविंदा के अलग होने की अटकलों को और हवा दे दी है।

हमेशा अपनी छवि साफ रखने की कोशिश की है। गोविंदा ने स्पष्ट किया कि उन्होंने कई सह-कलाकारों के साथ काम किया, पर किसी के साथ उनका रिश्ता पेशेवर मर्यादा से बाहर नहीं रहा।

ताजमहल क्या है, प्यार का स्मारक या फिर इतिहास का रहस्य? क्या होगा जब इतिहास को खुद कटघरे में लाकर खड़ा कर दिया जाएगा? 13 मार्च को



देखिए लांयन्सगोट प्ले पर, द ताज स्टोरी, जो दर्शकों को एक ऐसे काल्पनिक कोर्टरूम ड्रामा में ले जाएगी, जो भारत के सबसे

'द ताज स्टोरी' का रहस्य

है, जिसमें इतिहास को दर्ज करने के तरीके पर सवाल खड़ा किया गया है, किन लोगों ने इतिहास लिखा है और जब आम जनता इन

स्थापित कहानियों को चुनौती देती है, तब क्या होता है?

जब ताजमहल के एक अनुभवी दूर गाईड विष्णु दास स्वीकृत इतिहास पर सवाल खड़ा करते हैं, तो उनकी निजी शंकाएँ सत्य, विश्वास और इतिहास को लिखने की ताकत को लेकर एक सार्वजनिक कोर्टरूम में बहस छेड़ देती हैं।

तुषार अमरीशा गोयल द्वारा निर्देशित इस फिल्म में साक्ष्य और भावना के बीच धुंधले अंतर में उतरकर दर्शकों को संगमरमर से आगे देखने तथा इस कहानी पर फिर से विचार करने के लिए आमंत्रित किया गया है, जिसके बारे में वो यही समझते आए हैं कि वो इसे अच्छी तरह जानते हैं।

अदा के पास 1 महीने से नहीं कोई काम

साल 2023 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'द केरल स्टोरी' की एक्ट्रेस अदा शर्मा बीते 1 महीने से घर पर खाली बैठी हैं। उनके पास काम नहीं है। 33 साल की अदा ने वीडियो शेयर कर अपनी आपबीती सुनाई है। वह बताती हैं कि एक फिल्म के शेड्यूल में दिक्कों की वजह से उनके दूसरे प्रोजेक्ट्स को टाइमलाइन में भीन पड़ने लगा, जिस पर उन्हें काम करना था। पहली फिल्म के प्रोड्यूसर ने पहले से तय डेट्स को बनाए रखने पर जोर दिया और उनके मैनेजर पर किसी भी कीमत पर इसे पूरा करने का दबाव डाला।



साइंस एंड टेक्नोलॉजी



भारत में लॉन्च हुई शाओमी 17 सीरीज

प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनी शाओमी ने भारत में अपनी नई स्मार्टफोन श्रृंखला शाओमी 17 सीरीज लॉन्च कर दी है। इस श्रृंखला में दो प्रमुख स्मार्टफोन — शाओमी 17 अल्ट्रा और शाओमी 17 — शामिल हैं। कंपनी के अनुसार इन दोनों उपकरणों में उन्नत कैमरा प्रणाली दी गई है, जिसे जर्मनी की प्रसिद्ध लेंस निर्माता कंपनी लाइका के साथ मिलकर विकसित किया गया है। शाओमी 17 अल्ट्रा में 6.9 इंच का एलटीपीओ एमोलेड प्रदर्शन पटल दिया गया है, जो 120 हर्ट्ज ताजगी दर और 3,500 निट्स तक की उच्चतम चमक प्रदान करता है। इस उपकरण का वजन लगभग 218 ग्राम है और इसमें एल्युमिनियम मिश्रधातु का ढांचा दिया गया है। साथ ही इसे धूल और

पानी से सुरक्षा के लिए आईपी 68 प्रमाणन भी प्राप्त है। यह स्मार्टफोन सफेद, काला और स्टारलिट हरा रंग विकल्पों में उपलब्ध होगा। वहीं शाओमी 17 में 6.3 इंच का एलटीपीओ एमोलेड प्रदर्शन पटल दिया गया है, जिसमें 120 हर्ट्ज ताजगी दर और 3,500 निट्स की उच्चतम चमक उपलब्ध है। इस उपकरण का वजन लगभग 191 ग्राम है और इसे भी आईपी 68 प्रमाणन मिला है। यह वेंचर हरा, एल्पाइन गुलाबी, आइस नीला और क्लासिक काला रंगों में उपलब्ध होगा। दोनों स्मार्टफोन क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 8 एलटी जनरेशन 5 प्रोसेसर से संचालित हैं और इनमें कंपनी का नवीनतम ऑपरेटिंग सिस्टम शाओमी हाइपर ओएस 3.5 पहले से स्थापित मिलेगा।

कैमरा व्यवस्था इस श्रृंखला की सबसे बड़ी विशेषता मानी जा रही है। शाओमी 17 अल्ट्रा में एक इंच का मुख्य कैमरा सेंसर दिया गया है। इसमें 50 मेगापिक्सेल मुख्य कैमरा, 200 मेगापिक्सेल पेरिस्कोप टेलीफोटो लेंस और 50 मेगापिक्सेल अल्ट्रावाइड लेंस शामिल हैं। इसके अलावा इसमें 75 से 100 मिलीमीटर यांत्रिक ऑप्टिकल जूम क्षमता भी दी गई है। सामने की ओर 50 मेगापिक्सेल सल्टी कैमरा उपलब्ध है।

चंद्रमा से नहीं टकराएगा क्षुद्रग्रह 2024 वाईआर4

हाल ही में खोजे गए क्षुद्रग्रह 2024 वाईआर4 को लेकर वैज्ञानिकों की चिंता अब काफी हद तक समाप्त हो गई है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने स्पष्ट किया है कि यह क्षुद्रग्रह वर्ष 2032 में न तो पृथ्वी से टकराएगा और न ही चंद्रमा से। नए आकलनों के अनुसार यह अंतरिक्ष पिंड चंद्रमा के पास से सुरक्षित दूरी से गुजर जाएगा।



यह क्षुद्रग्रह वर्ष 2024 के अंत में खोजा गया था। प्रारंभिक गणनाओं में वैज्ञानिकों को आशंका थी कि 22 दिसंबर 2032 को इसके चंद्रमा से टकराने की लगभग 3.8 से 4.3 प्रतिशत संभावना हो सकती है। हालांकि यह संभावना बहुत अधिक नहीं थी, फिर भी ग्रह रक्षा से जुड़े वैज्ञानिकों ने इसकी कक्षा का बारीकी से अध्ययन शुरू कर दिया था। क्षुद्रग्रह की सही स्थिति और मार्ग जानने के लिए वैज्ञानिकों ने अत्याधुनिक अंतरिक्ष दूरबीन जेम्स वेब का उपयोग किया। यह दूरबीन बहुत ही धुंधली और दूर स्थित वस्तुओं का भी सटीक अवलोकन कर सकती है। फरवरी महीने में वैज्ञानिकों ने इस क्षुद्रग्रह का दो बार सफल अवलोकन किया। उस समय

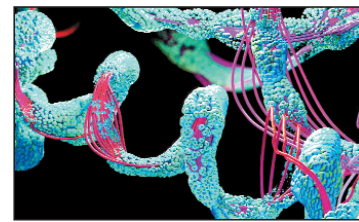
यह इतना मंद था कि अधिकांश वेधशालाएँ इसे देख पाने में सक्षम नहीं थीं। इन नए अवलोकनों से प्राप्त आंकड़ों ने वैज्ञानिकों को क्षुद्रग्रह की कक्षा को अधिक सटीकता से समझने में मदद की। ताजा गणनाओं के अनुसार 2024 वाईआर4 चंद्रमा से लगभग 21 हजार 200 किलोमीटर की दूरी से गुजरेंगा। इस दूरी के कारण इसके चंद्रमा से टकराने की संभावना पूरी तरह समाप्त हो गई है। इससे पहले वर्ष 2025 की शुरुआत में कुछ आंकड़ों ने यह भी संकेत दिया था कि यह क्षुद्रग्रह पृथ्वी के लिए भी खतरा बन सकता है।

लेकिन बाद में किए गए विस्तृत विश्लेषण से यह संभावना भी समाप्त हो गई। वैज्ञानिकों के अनुसार आने वाले कम से कम सौ वर्षों तक यह क्षुद्रग्रह पृथ्वी के लिए कोई खतरा नहीं पैदा करेगा। वैज्ञानिकों का कहना है कि ऐसे बदलाव अंतरिक्ष अनुसंधान में सामान्य बात हैं। जब किसी नए निकट-पृथ्वी पिंड की खोज होती है, तब उसके बारे में प्रारंभिक जानकारी सीमित होती है। इसलिए उसकी संभावित कक्षा और भविष्य के मार्ग को लेकर कई तरह की संभावनाएँ सामने आती हैं। जैसे-जैसे अधिक अवलोकन और आंकड़े मिलते जाते हैं, वैज्ञानिक इन संभावनाओं को धीरे-धीरे कम करते हुए अधिक सटीक निष्कर्ष तक पहुँचते हैं।

लगभग 65 मीटर चौड़े इस क्षुद्रग्रह के मामले में भी यही प्रक्रिया अपनाई गई। नए आंकड़ों ने स्पष्ट कर दिया है कि यह पिंड न तो पृथ्वी और न ही चंद्रमा के लिए खतरा है। इस प्रकार वैज्ञानिकों ने संभावित चिंता को दूर करते हुए यह सुनिश्चित कर दिया है कि वर्ष 2032 में यह क्षुद्रग्रह केवल अंतरिक्ष में सुरक्षित रूप से गुजर जाएगा।

बैक्टीरिया बने 'डिजाइनर प्रोटीन' की फैक्ट्री

स्विट्जरलैंड के ईटीएक ज्यूरिख और जर्मनी के तकनीकी विश्वविद्यालय म्यूनिख के वैज्ञानिकों ने बैक्टीरिया की प्राकृतिक प्रोटीन-निर्माण प्रणाली को बदलकर मनुष्य के प्रोटीन बनाने का नया तरीका विकसित किया है। इस शोध को प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिका नेचर में प्रकाशित किया गया है। वैज्ञानिकों ने बैक्टीरिया की कोशिका में मौजूद एक 'पोषक द्वार' को टोड़ कर हॉर्स की तरह इस्तेमाल किया, जिसके माध्यम से कृत्रिम अमीनो अम्लों को कोशिका के भीतर पहुँचाया गया। सामान्यतः सभी प्रोटीन 20 प्राकृतिक अमीनो अम्लों के संयोजन से बनते हैं। लेकिन प्रयोगशाला में वैज्ञानिक हजारों प्रकार के कृत्रिम अमीनो अम्ल भी बना



सकते हैं जिनमें विशेष गुण होते हैं। उदाहरण के लिए, यदि किसी प्रोटीन में विशेष प्रकार का कृत्रिम अमीनो अम्ल जोड़ा जाए तो उस पर किसी दवा को बिल्कुल निश्चित स्थान पर जोड़ा जा सकता है, जिससे बीमारी के उपचार में अधिक सटीकता मिल सकती है। अब तक सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि इन कृत्रिम अमीनो अम्लों को कोशिका के अंदर कैसे पहुँचाया जाए। अधिकांश कृत्रिम

अमीनो अम्ल कोशिका झिल्ली को पार नहीं कर पाते क्योंकि उनकी रासायनिक संरचना झिल्ली के अंदरूनी वातावरण से मेल नहीं खाती। पहले वैज्ञानिक या तो माध्यम में इन अमीनो अम्लों की बहुत अधिक मात्रा डालते थे, या कोशिका के अंदर ही इन्हें बनाने के लिए जैविक मार्गों को बदलते थे। लेकिन ये तरीके सीमित और कम प्रभावी थे। नए शोध में वैज्ञानिकों ने बैक्टीरिया की झिल्ली पर मौजूद एक विशेष परिवहक प्रोटीन को पहचानकर उसमें बदलाव किया। यह प्रोटीन सामान्यतः छोटे प्रोटीन खंडों यानी पेप्टाइड्स को भोजन के रूप में कोशिका के अंदर लाता है। वैज्ञानिकों ने कृत्रिम अमीनो अम्ल को दो प्राकृतिक

इस तकनीक की खास बात यह है कि अब वैज्ञानिक बिना विशेष प्रयोगशाला परिस्थितियों बनाए भी 'डिजाइनर प्रोटीन' तैयार कर सकते हैं। इन प्रोटीनों का उपयोग भविष्य में ऐसी एंटीबॉडी बनाने में किया जा सकता है जो किसी निश्चित स्थान पर दवा को जोड़कर अधिक प्रभावी उपचार दे सकें। वैज्ञानिकों का मानना है कि आगे चलकर इसी तरीके को मानव कोशिकाओं में भी लागू किया जा सकता है, जिससे नई प्रकार की चिकित्सीय प्रोटीन और जटिल रासायनिक यौगिक तैयार किए जा सकेंगे। अमीनो अम्लों के बीच छिपाकर छोटे पेप्टाइड बनाए, जिन्हें यह परिवहक प्रोटीन आसानी से कोशिका के अंदर ले आया।